

प्रेषक,

सुभाष कुमार,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
देहरादून।

देहरादून: दिनांक: 11 जून, 2009

राजस्व अनुभाग-2

विषय:-सिद्धार्थ एजुकेशनल सोसाइटी को तहसील एवं जिला देहरादून के ग्राम खुदानेवाला में तकनीकी शैक्षणिक पाठ्यक्रमों हेतु कुल 03 एकड़ भूमि क्रय की अनुमति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1900/12ए-228(2005-08)/डी0एल0आर0सी0 दिनांक-09.06.2008 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय सिद्धार्थ एजुकेशनल सोसाइटी को तहसील एवं जिला देहरादून के ग्राम खुदानेवाला में तकनीकी शैक्षणिक पाठ्यक्रमों यथा बी0फार्मा एवं एम0बी0ए0 हेतु कुल 03 एकड़ भूमि क्रय की अनुमति उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम, 1950) (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2001) (संशोधन) अधिनियम, 2003 दिनांक 15-1-2004 की धारा-154(4)(3)(क)(III) के अन्तर्गत आपके द्वारा संस्तुत/अनुमोदित गाटा/खसरा संख्याओं के अनुसार निम्नलिखित प्रतिबन्धों/शर्तों के साथ प्रदान करते हैं:-

1- केता धारा-129-ख के अधीन विशेष श्रेणी का भूमिधर बना रहेगा और ऐसा भूमिधर भविष्य में केवल राज्य सरकार या जिले के कलेक्टर, जैसी भी स्थिति हो, की अनुमति से ही भूमि क्रय करने के लिये अर्ह होगा।

2- केता बैंक या वित्तीय संस्थाओं से ऋण प्राप्त करने के लिए अपनी भूमि बन्धक या दृष्टि बन्धित कर सकेगा तथा धारा-129 के अन्तर्गत भूमिधरी अधिकारों से प्राप्त होने वाले अन्य लाभों को भी ग्रहण कर सकेगा।

3- केता द्वारा क्रय की गयी भूमि का उपयोग दो वर्ष की अवधि के अन्दर, जिसकी गणना भूमि के विक्रय विलेख के पंजीकरण की तिथि से की जायेगी अथवा उसके बाद ऐसी अवधि के अन्दर जिसको राज्य सरकार द्वारा ऐसे कारणों से जिन्हें लिखित रूप में अभिलिखित किया जायेगा, उसी प्रयोजन (एम0बी0ए0 एवं बी0फार्मा पाठ्यक्रम) के लिये करेगा जिसके लिये अनुज्ञा प्रदान की गयी है। यदि वह ऐसा नहीं करता अथवा उस भूमि का उपयोग जिसके लिये उसे स्वीकृत किया गया था, उससे भिन्न प्रयोजन के लिये विक्रय, उपहार या अन्यथा भूमि का अन्तरण करता है तो ऐसा अन्तरण उक्त अधिनियम के प्रयोजन हेतु शून्य हो जायेगा और धारा-167 के परिणाम लागू होंगे।

- 4- जिस भूमि का संक्रमण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी अनुसूचित जाति/जनजाति के न हों और अनुसूचित जाति/जनजाति के भूमिधर होने की स्थिति में भूमि क्रय से पूर्व सम्बन्धित जिलाधिकारी से नियमानुसार अनुमति प्राप्त की जायेगी।
- 5- जिस भूमि का संक्रमण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी असंक्रमणीय अधिकार वाले भूमिधर न हों।
- 6- शासन द्वारा दी गई भूमि क्रय की अनुमति शासनादेश निर्गत होने की तिथि से 180 दिन तक वैध रहेगी।
- 7- संस्था द्वारा भूमि के विक्रय विलेख के पंजीकरण की तिथि से 2 वर्ष के भीतर भूमि का उपयोग तकनीकी शिक्षा संस्थान हेतु कर लिया जायेगा।
- 8- संस्था द्वारा भूमि के विक्रय विलेख के पंजीकरण की तिथि से एक वर्ष के भीतर तकनीकी शिक्षण संस्थान की स्थापना हेतु नियमानुसार ए0आई0सी0टी0ई0 को आवेदन कर दिया जाएगा जिसकी एक प्रति तकनीकी शिक्षा विभाग उत्तराखण्ड शासन को भी उपलब्ध करायी जायेगी।
- 9- संस्था द्वारा ए0आई0सी0टी0ई0 के मानकों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 10- संस्था द्वारा पैरामैडिकल पाठ्यक्रमों के संचालन के सम्बन्ध में चिकित्सा शिक्षा विभाग की अनापत्ति भी प्राप्त की जायेगी।
- 11- किसी दशा में प्रस्तावित क्रेताओं को प्रस्तावित भूमि के अतिरिक्त अन्य भूमि के उपयोग की अनुमति नहीं होगी एवं सार्वजनिक उपयोग की भूमि या अन्य कोई भूमि पर कब्जा न हो इसके लिए भूमि क्रय के तत्काल बाद उसका सीमांकन कर लिया जाय।
- 12- भूमि का विक्रय अपरिहार्य परिस्थितियों के अतिरिक्त अनुमन्य नहीं होगा एवं ऐसी दशा में विक्रय किये जाने हेतु सकारण शासन का अनुमोदन प्राप्त करना होगा।
- 13- योजना प्रारम्भ करने से पूर्व नियमानुसार सम्बन्धित विभागों/संस्थाओं से विधिक व अन्य अनापत्तियाँ/स्वीकृतियाँ प्राप्त कर ली जायेगी।
- 14- सम्बन्धित आवेदक द्वारा भू-उपयोग करने से पूर्व सक्षम एजेन्सी (विनियमित क्षेत्र/विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण/विकास प्राधिकरण) से नियमानुसार अनापत्ति प्राप्त करनी होगी तभी वह भूमि का उपयोग निर्धारित कार्य हेतु कर सकेंगे।
- 15- उपरोक्त शर्तों/प्रतिबन्धों का उल्लंघन होने पर अथवा किसी अन्य कारणों से, जिसे शासन उचित समझता हो, प्रश्नगत स्वीकृति निरस्त कर दी जायेगी।

कृपया तदनुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(सुभाष कुमार)
प्रमुख सचिव।

पृ०प०सं०- 1423 समदिनांकित 2009

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- मुख्य राजस्व आयुक्त, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- सचिव, तकनीकी शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- सचिव चिकित्सा शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 4- श्री पी०के० जैन सचिव सिद्धार्थ एजुकेशनल सोसाइटी खुदानेवाला सहस्त्र धारा रोड देहरादून।
- 5- निदेशक एन०आई०सी०, उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 6- प्रभारी मीडिया सेंटर उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(संतोष बघोनी)

अनु सचिव।